

काकी

कलास -७

पाठ का नाम -काकी

पाठ -२

CHANGING YOUR TOMORROW

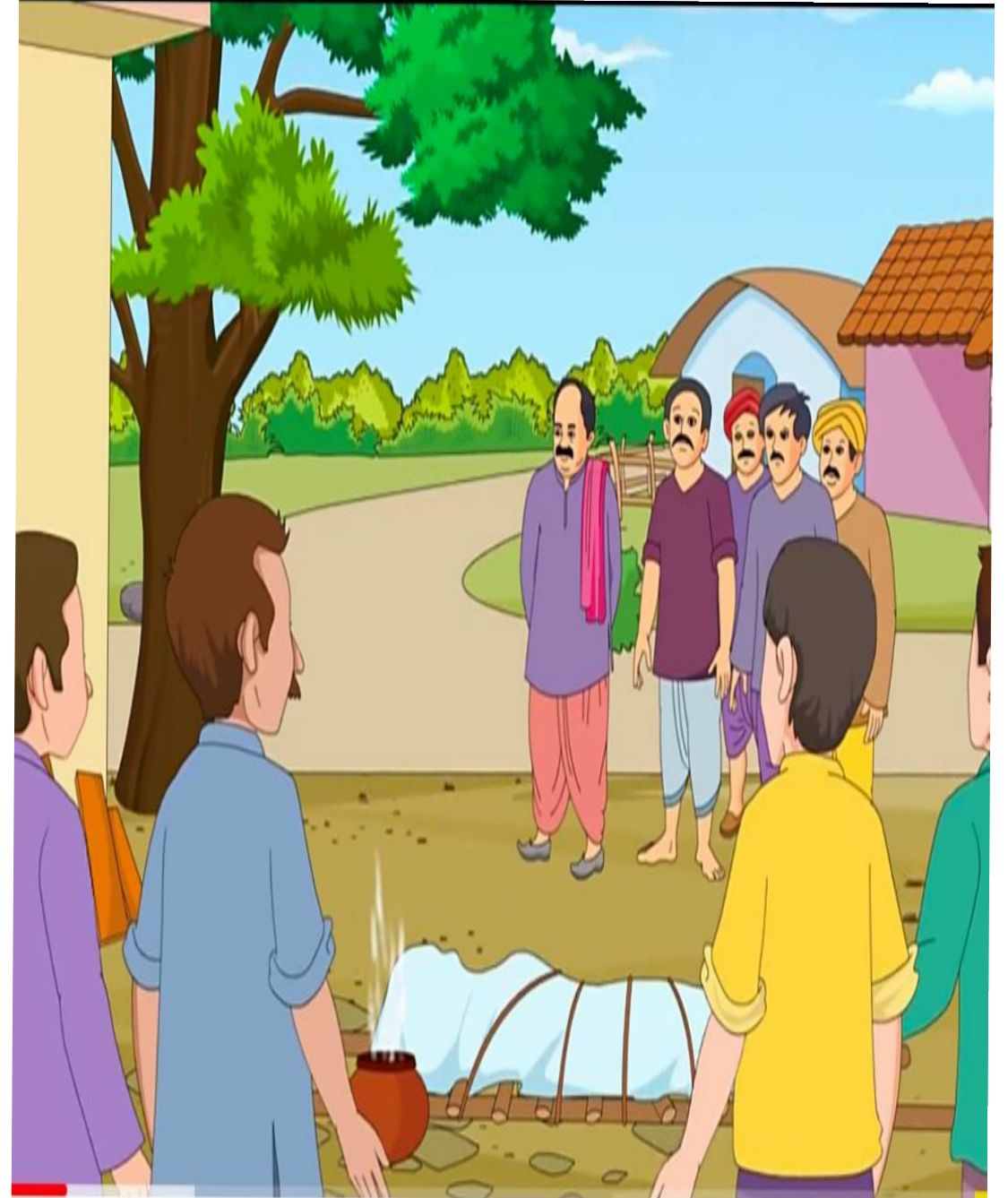
पाठ व्याख्या

उस दिन शामू की नींद बड़े सवेरे खुल गयी। उसने देखा कि घर में कुहराम मचा हुआ है। उसकी काकी जमीन पर सो रही है। उस पर कपड़ा ढंका हुआ था। घर के सब लोग उसे घेरे हैं। सब बुरी तरह रो रहे हैं।

काकी को ले जाते समय शामू ने बड़ा उधम मचाया। वह काकी के ऊपर जा गिरा। बोला—“काकी सो रही हैं। उन्हें कहां लिये जा रहे हो? मैं न जाने दूंगा।”

लोग बड़ी कठिनता से शामू को हटा पाये। काकी के दाह-संस्कार में वह न जा सका। एक दासी ने उसे घर पर ही रखा।

शामू से कहा गया कि काकी उसके मामा के यहां गयी है। पर सच बहुत समय तक छिपा न रह सका।



शब्दार्थ



- कोमल -मुलायम, नरम
- प्यारी -जिससे प्रेम हो या जो प्यारा हो,
प्रयास -उद्योग, प्रयत्न, कोशिश

मनोबिज्ञान -वह शैक्षिक व अनुप्रयोगात्मक विद्या है जो प्राणी (मनुष्य, पशु आदि) के मानसिक प्रक्रियाओं (mental processes), अनुभवों तथा व्यक्त व अव्यक्त प्रकार के व्यवहार का एक क्रमबद्ध तथा वैज्ञानिक अध्ययन करती है। ... 'व्यवहार' में मानव व्यवहार तथा पशु व्यवहार दोनों ही सम्मिलित होते हैं।

कोहराम -रोना-पीटना, बहुत शोर-गुल

करुण स्वर -उदास स्वर ,

बिलाप -रोना ,दुख प्रकट करना

बिलख बिलख कर -जोर जोर से रोना

गृहकार्य



- निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
- कौन कोमल और भावुक होते हैं ?
- किसका नींद देर से खुली ?
- कंबल पर कौन सोई थी और क्यों ?
- काकी का नाम क्या है ?
- सब लोग क्या कर रहे थे ?
- काकी का नाम क्या है ?
- काकी को कहाँ ले जाया गया ?
- काकी कहाँ गई है ?
- बात कैसे प्रकट हो गई ?

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP